M.A. 3rd Semester Examination, 2023

HINDI

PAPER – HIN-302

Full Marks : 50

Time : 2 hours

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×2

(क) भारतेन्दु युगीन राजनीतिक–सामाजिक यथार्थ के परिप्रेक्ष्य में 'अंधेर नगरी' नाटक का महत्व प्रतिपादित कीजिए ।

(ख) 'औरत' नाटक स्त्री उत्पीड़न, संघर्ष और प्रतिरोध की कथा है । इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ग) 'आधे–अधूरे' नाटक दाम्पत्य–जीवन की विफलता का यथार्थ है । सोदाहरण विश्लेषित कीजिए ।

(*घ*) 'हानूश' एक संघर्षशील कलाकार की संवेदनात्मक अभिव्यक्ति है। –इस कथन के आलोक में 'हानूश' का मूल्यांकन कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *चार* के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 5×4

(*क*) 'अंधाधुंध मच्यौ सब देसा।
मानहुँ राजा रहत विदेसा ।।
जो द्विज श्रुति आदर नहिं होई।
मानहुँ नृपति विधर्मी कोई ।।
– सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(*ख*) ''मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु सम्पत्ति समझ का उनपर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सक्ते हो।''
– ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

(*ग*) 'हानूश' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(घ) "मुझे पता है मै एक कीड़ा हूँ जिसने अन्दर ही अन्दर इस घर को खा लिया है ।"

–पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) कोमा के स्त्री–संबधी विचार को रेखांकित कीजिए ।

(च) "घड़ी बनाना इन्सान का काम नहीं । शैतान का काम है । घड़ी बनाने की कोशिश करना ही खुदा की तौहीन करना है । भगवान ने सूरज बनाया, चाँद बनाया और उहें घड़ी बनाना मंजूर होता तो क्या वह घड़ी नहीं बना सकते थे।"

– सप्रसंग व्यख्या कीजिए ।

[*Internal Assessment* – 10 Marks]